

कुचीरकुमार	३५ मनेहरा	३५
छायेप्रभुखोये केगात	३६ लोक गाय	३७

॥ नीत्यनाथ चार ॥

राग प्रथमदली ॥ चडताल ॥ नीत्यनाथ हल न वल
 ०५ ॥ होदे नन्दी नीन्दी वेताल खेला वसी ०५ ॥ ॥ वही
 नाथ नीत्यस्व नन्दी वासे ॥ सेवी पद पीकर ज मचुर वासे ॥
 राग प्रथमदली ॥

जय २ नीत्यनाथ ॥ ताँ: वीता ॥

होदे गये ३ नीत्यनाथ मेहेस्वर अती नन्दर अवतार ॥ वही
 हुक्की पुरी बना: वही ससी चुरसम ॥ जर्व खर्व गणे शकुमार
 जये नीत्यनाथ ॥ होदे नन्दी नीन्दी प्रभुवन सही तनी हुक्की
 खनस) सनवी जाक ॥ गगत ड अति ज्याक कामुग) नयाक
 नीपती जगत जमे नन्दा ॥ ॥

नमो २ गुरु नीत्यनाथ

राग पहरीया ॥ ताँ: चो ॥ नमो २ गुरु नीत्यनाथ: नीत्यनाथ का
 सहीनी: धनवया हारतिता ॥ नैख: छनपोन: अगम छी मुदती ॥ १ ॥
 जर्व खर्व नस्यतया गणे शकुमारपनी ॥ मुमुहुनी: हीना वनवरदा
 की ॥ २ ॥ जय नैत नवयमगा: छी गुरु पद रत ॥ अतीनीशु

दरुप जगत् मोहन ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः शिवाय
 नमजलपे ॥ कुरुना ॥ स्वः अग्यानी खनाव ॥ ४ ॥
 ॥ राम कयाव ॥

रागप्रथमं जली ॥ १ ॥ रामनाम कयाव जर्महने स्वर
 माया मोहपापजालः तो जताव श्रोत्र ॥ राम ॥ १ ॥ जन्मवर्ध
 तोरे यावः स्वामे जो नाव २ रामनाम गान ॥ २ ॥ हरे हरे गुण
 वरे ॥ राम ॥ २ ॥ पने लक्षः नख कुति उ नी नी त्रु नी नी २
 ति ह्य वर्म दन्य हता स चायावरे ॥ राम ॥ ३ ॥ सीसा सग
 गत वसीयमान नीवर चुली थाहुनु सस्य य वली नी पीव
 रे ॥ राम ॥ ४ ॥ परलोकः निन गती नगती स्वगाव २ जये
 परकाशया सुवचन ते नावरे ॥ राम ॥ ५ ॥

॥ वीदेगा पति ॥

रागमै गण ॥ १ ॥ गानः अस्त्रा ॥ वीदेगा पति नव नय हरे
 सनन सुवासा मुनी जन सारी दुखीत दुर्जन सागा वरनी
 जगुन मान स नी मी वरनी ॥ ॥

॥ मधुरा नगा ॥ ॥

रागमै गण ॥ १ ॥ तौः वौः ॥ मधुरा नगा ॥ हरि जग मजुनः चतुर्भु
 जरुप न केन ॥ १ ॥ अव बुद्ध वान खगा जुने मानन हस सकुंद
 ने पेता न प्रभु ॥ १ ॥ वसुदेव देव कीया आनंद महान

मनः भगवत्प्रभवजगती न ॥ कंसयानयनं चरन्सर्ववतः नील
 स्यान्नेव वरवतः ॥ प्रभु ॥ २ ॥ त्रिभुवनभुजगतिमान्दहव
 नः वानजीवन्वकुलशिवनन्दः दीजचनकरः भुमीया
 सापतः पुर्वफललातजलोदारी ॥ प्रभु ॥ ३ ॥ आन
 येनधनी चननये वानकंसरी सुनुगतसमष्टिकः पुन
 र्नाडादीया कालदम् ॥ प्रानीयाप्रानवह्न कृष्णला
 यदुसतः ॥ प्रभु ॥ ४ ॥

॥ ईश्वरी छीनी ॥

एगआसावहि ॥ तौः चों ॥ ईश्वरी छीनी अनाभयावीन
 तीनेय ॥ अपतमयायगनपूया चनसमनः पापसजी
 तनदुफीनाव ॥ कुबुद्धीकुमतिमनकाये मुफुछी वरः
 व्यर्थजी जलमगुयाव ॥ ईश्व ॥ १ ॥ कामयारसशेन
 चरमकामपेनः मोहसगुलसजीगुयावः कलियाकार
 नः जेन पापसगुमनहेनः नकजिजलमगुयाव ॥ ईश्व ॥ २ ॥
 भगतीजनथाजीनः याहुनजननी छीनी ॥ मनरचपुलयाग
 वीहुने ॥ नतीसुमनव्हाम अतिगुगलया घालः कृपाद
 यः त्यजजीखनाव ईश्व ॥ ३ ॥

॥ दसमैतकवाए ॥

एगपहरीया ॥ तौः जतिः ॥ दसमैतक राजावन हृदयरीसा

रज्य ॥ रामचन्द्र आग्यो हेनो तखने हे माहि नीज्यः ॥

॥ आज भा १ ॥

राग पहिल्या ॥ प्रताः ॥ आज मान तु रिगु वन तुट मोहन
आदि ॥ ॥ वीने र समिने र सव मोनी ॥ ५ ॥ मुखे देवो गन
२ ॥ आज ॥ १ ॥ नीपजय राज्यः साहो हेव राज्य ॥ देव कइ से
होत नी २ ॥ आज ॥ २ ॥

॥ श्री कृष्ण गवाहा ॥

राग सारंग ॥ गानः पीच मा १ ॥ दे ~~क~~ सी हि कृष्ण सीख
एव कृ गदा पद्म ॥ चतुर्भुज नायाय न मोक्ष दाता तई
लोके ई स माहा वीरुः नंद कु मा ॥ ॥

॥ नमो २ श्री जगनाथ ॥

राग सारंग ॥ गानः चौः ॥ नमो २ श्री जगनाथ गुन गरी ए स
मान गरी ॥ उपपीनी उपावीनीः सगनी यवी द्या वन ॥ वासु
देव कइ ये मोहन उपपि गन गुन गरी ॥ १ ॥ पति अस्वाधु
एवे का मुट वीखा सरे ॥ मा निने माया मोहन गुवा न गुन ल
हि ॥ २ ॥ चक्रिये वीद्या पतिः छनी ये मथुरा पति ॥ छानि
य सी का रूपवरेः गिरी गुन गरी ॥ ३ ॥ नयनी ईज
नी नयन कुमरि ॥ श्री एन वाहा दुट साहेव मुट पति गुन गरी

॥ ४ ॥

॥ जय २ भगवान् ॥

जय २ भगवान् लोक्यामनपुरे याः ॥ भावनम फूयाजिसर
 ह ॥ दरसनवीवजित करुणा दयावच्छिन्न हेमायावः दोनअ
 पराद्ध ॥ ५ ॥ ॥ हाकहाया वीवनी नमुखयाहा नस्वया
 नृपगिर्वीव बुद्धराजोहः ॥ वृषंगनपनीनेपाणनुमी
 यावनीयक वल लोक प्रानि पाण ॥ जयः ॥ २ ॥

॥ भगवत् ज्वारा ॥

रागासारंग ॥ तौः पर्वमात्र ॥ हादेः भगवान् हादेमाम
 कीलो वनीः परम वीताहाः हादे चतुर्दीगः भगवान् मो
 कदाताः हादे तर्दीलो क्ये र्दस्वर्ग माहाबुद्धः ॥ हा ॥ २ ॥ देवती
 चर्म चवानुः ॥ जय २ भगवान्

॥ मधुपुरी ज्वारा ॥

रागकीनामः ॥ तौः पणि मावाया ॥ मधुपुरी वसंतिमु
 दाहि ॥ आरे २ सखीकीसा नपुलु वसीहे

॥ वने बुम्भो सखी ॥

रागकीनामः ॥ तौः गृह ॥ वने नुयो सखी की की रसनीमीत
 वअन ॥ वपुखः स्वयजित उक्ता वमात्र २ ॥ ५ ॥ स्व
 लवने धनीजीनीः जोगीनीया मे मजुया माग या वलन
 जीन वबुद्धसवासे ॥ २ ॥ जननना अपहा विप्रमु

मदुघो होदये ॥ दर्दवीनछल. छोये अनाजीनीयात-पंडू ॥
 ओंते प्रकाशनी-पल्लवाकाः ॥ वचसागजुलो मवकस्वपाळपुत्रु
 ५८ सन ॥

॥ यताग्वाए ॥ प्रहसिव ॥

रागवहादी ॥ ताल-यता ॥ परसीव सुमरीहू अडि महीपा वे ॥
 गुरुमुखवीरुवेद कडि नही पावे ॥ ॥ अतलथ पतससी
 यनर जावे ॥ तोहे नपुख दासी यनर जावे ॥ कीपज
 गजोति कहेः सर्वगुनसो ॥ लागवदा ही कहेः थकता
 लेः ॥

॥ अपुरवः ॥

रागवहावि ॥ ताल-वौ ॥ अपुर्व छीमुदगीं हाये जीम
 फूया ॥ देवछीलाल पाव थोये मालोदो न. छेमा आव ॥ १ ॥
 नीलमा खद न होः नौरव व समान ॥ मुफूहाय छीरव
 नः सीसा सी मदु छीस्वयानी ॥ २ ॥ सबल सान आसादी
 पालीया भुताः ॥ देव वृथी नारायनः कीवेक या भाडा वहा
 दा ॥ ३ ॥

॥ समेस्वा उवरा ॥

रागजीम प्राप् ॥ लातः तिलमातुः ॥ छोदेः सेवेस्वाः नि
 भुवेन याताये स्माः नाभमेस्वा देहेहे वी ॥ छोदेः नन्दी

भी-दी ललाचरी गलीये. बाचेसे हरवीत वाजीत ॥ हा
 देरु नैकु नैत न कुल वाजीत. दमह दोमीकी न वाज्यती ॥
 हाहा दे नमय न नैगी लोकाहा ॥ ॥

॥ समे पाज्याहा ॥

रागानुपावी लला. पंचामलः ॥ समे पावे सीतजान
 नीसहीत. धर्मवानयन नीम अरजुन सैगे हरवी
 न नय मय नीजगति सैगे. कुमुदी नीगाम नाम जग
 न जय न पगोलेय हवीरंग

॥ कृष्णपाल ॥

रागकेदा ॥ तावः लैतालः ॥ कृष्णपाल वल
 चोस वस नपा दी नवल. अमी नीम सीर सीतस्य
 उपधान ॥ अरुता या वली वसया हेल मुतीमा
 लसारी जाज्या लोचो नवसमान ॥ १ ॥ हजान द
 दी लोके स्वा ॥ ॥ सीलस चोवे धान पीदल वा
 चो नमस ॥ पुन काव तोयाना स्वय ॥ अने पुने वेदे
 केता. नागा उपकाथाना. मंगल्यो जित उपका
 ॥ २ ॥ चाने ही नैसमनपा अनेगे दे वयो के नागा
 जीतज कदया मदेव ॥ स्वय २ जिपा पीया धान
 नीदीने हावा ये हावा आनी दादी ॥ ३ ॥ लोकेसे नैके

वमः चयागुनि वीजा द्योतनी तद्वत् प्रसीतजुयेमाला ॥
 युगदुखः फलकीव द्रव्यपोल द्रम स्वराजीने आनदादी ॥
 ४ ॥ अग्नानीया अपता ॥ जमे प्रकमः श्री राज्य
 प्रकाश मग ॥ लहा कलमयोदेह गुलनी ह्मस्या इष्टा
 न तुर्तके ॥ आन-दादी को के स्वदेव ॥ ५ ॥

॥ घुमी घुमी ॥

एग गुपानी-त तालः कृता ॥ घुमी घुमी खससी
 व माहोदेव स्वामीः दुभी २ जवरी सी चकीर्ण गामा नी ॥ १ ॥
 फारी उपाज दे वरु तातनज पमाणा ॥ दुर्ति गेल सवहाहा
 क वाद्य दाना ॥ २ ॥ ले नीवन नीरेव जोगीः भजचन
 लागीः सीयेक सीवनः गलावा नीकुवा नी ॥ सीवके
 न ही देदेखी हासाये नपानी ॥ ४ ॥ ननय की घाप
 ती सुना जगमाता ॥ वमाहि डेलमः नत्रिनुवनयादा
 ता ॥ ५ ॥

॥ स्वर्धनु भैरव गवारा ॥

एग एजवी डः तालः अनावाद्याः ॥ स्वर्धनु भैरवः
 डमत पलवत सेत वरी प्रकास्यः मिराश शाली पुरः नाम
 के ह एवीत वारि पज गुवामे वाली वाली दादी चरीः उ
 सस्थामे पावहीन हीनवः रिखा चरी वामवे हेदवी देवस

रुततोहारः

॥ हेगुरुर्मंजुश्रीया ॥

रागत्री ॥ ताचर्ग ॥ सतगुरु वज्रसंख्य मुनीनोदेवया ॥

रागगुजलीयता ॥ ० ॥ हेगुरुर्मंजुश्रीयातनेकात

चतुर्भुज महावीर जगतयाताय श्री ॥ पुस्तक खद

धनुवातेह ॥ ५ ॥ मंथन-चक्र एषा वतवास्तयाता

वीज्याक ॥ दक्षा वज्रली हृदय होना वहे ॥ २ ॥

आतिरूप वीज्यातावमुनी गुण नेपाल ॥ दसदी

गयाकोरुः वीज्याता वहे ॥ ३ ॥ जवसीहि पीचपु

रिचे ताम्र श्रीयाताय ॥ मेवमदुगुरुद्वीवीगारीह

॥ ४ ॥ ०६। क ह्यया यो नीरती को नी देमा

याताव ॥ संसाया सुमं गाना या वहे गुरुर्मंजुश्री

या ताम्र ॥ ५ ॥

॥ आदी स्वयं गुज्वारा ॥

होदेः आदीसे वुनाय मेहसुर कुल देवः होदे सीसि मुखजताधरे

अध चन्द्र खेहेः होदेः त्रिनयन मुखरूप पै द क मुखनः त्रस्य

अंग लेवीतः दवरुवाजीतः सानन्द मेह खो देव ॥ ० ॥

॥ जननिमाता ॥

॥ नेहुने क्षीम

रागाक्षी तालवजति ॥ नेहुने क्षीम
 खलहाये ॥ मेव मयु जिता गति दि
 ॥ १ ॥ नयनस्य जितस्येवा जगत
 यानां जितस्य जितस्य दोकाये ॥ २ ॥
 पापमपु धनिधम कुलपा वेहा ॥ मेव
 जुष्टे चानलोकसकोपाये ॥ ३ ॥ मयापान
 भव वसतान वानः लातके मपुताह ससमस
 अग्निमान ॥ ४ ॥ योजु गह निधा मभावलन
 सिक्कः कुरुया खलहाये मेव मपु व प्रतेक ॥ ५ ॥
 निन्धान भव दस मयु धा साः दुहावने
 दस स्वयजन्तया दुवाल ॥ ६ ॥ दसि वधकाव
 जित तथा अनेग आसाः सिवालपा चोन हन
 मयाक विवेक ॥ ७ ॥ लहाक ह अनाथ सिम
 पाहने दिधाः कुरु हानास मुदा दोहने
 जितपा ॥ ८ ॥

जोगि चलो

॥ जोगि चलो निरं वा
 हवि चारि जोग कर नामि
 रहिया हरष गमन जोगि
 ॥ १॥ ए जेन् लक्ष्मी देवि नृपति
 कुमारे गवएव चान कमल मेव क
 मत वचन मिजे जोगि चलो निरं वा ॥ १॥

॥ च पाखाना ॥

राग वसंत ता चलो चं पाखाना ॥ ३॥ डिन वाने
 दोला गिरि पारवते संनकुं न्ये मोलू ह्ये उति
 पुन्ये लाके स्वप्न सावि कान गुपाम ॥ ४॥
 पारवतया ताप लासे देवल डिया वर पुन्ये ला
 उति स्वभात्री भुवन न्ये को ॥ २॥ गह दया ह्ये
 ह्ये को फागुन हितारे कुल ल मृदेग धाले देव
 ल डिलावे ॥ ३॥ लहा कमदी रहु मनो व सो पा
 सि वाने दि पालि ति पालिया को सं विव जित वा
 लो स्वप्न सावि कान गुपाम ॥ ४॥

नु यो प्रीये राग व
 होदे नु यो प्रीये मँ द्यो वरा नी तपो व
 थव पुत्र राज कु मार पु त्री कु स्मा जि
 स ही त क न न व न न : हा हा : नु यो
 द को को क न न न धो यालि से व न
 द थ वि या लो क नु र्हे या ना द्ये तेरे : हा
 ये ॥२॥ होदे रथ स जो ज न पाव ह या स न द
 ये ॥ मृ ग व न या मृ ग व या रथ स्मा त क नेरे : हा हा
 ॥३॥ होदे : रथ दान या ये जि धु न पु न नु कुं दि स्ये
 ॥ मा हा रा नी राज कु मारी प री सा ना स ये नेरे : हा होदे
 नु यो प्रीये ॥४॥ होदे स्वा न क ल व न या सो ना स्व व
 रा नी को की ल हा न ॥ ज ये न मे वु ध या गु :
 न प त व या येरे : हा होदे नु यो प्रीये ॥५॥ ॐ

श्रीगुरु नित्य नमः

राग वसंत प्रताः ॥

गङ्गा: तातो यो मा

होदे अदि हो पुना थम हो सुरकु ल दे व : होदे लसी
मुख ज ता धरे अप चन्द्र स्व हे : होदे त्रीन य न मुख
रु प्रै पंद क मुख न तस्मा अं ग ले जा त द ज स
वा जी त स्तान् रुम हे स्व दे व

आदित्य कुवारा

होदे अदि हो पुना थम हो सुरकु ल दे व : होदे लसी
मुख ज ता धरे अप चन्द्र स्व हे : होदे त्रीन य न मुख
रु प्रै पंद क मुख न तस्मा अं ग ले जा त द ज स
वा जी त स्तान् रुम हे स्व दे व

कुलसिंह गारा

होदे कुलसिलसुंधार निज रूप मोहि नि मति मय
मुख न द बिस्वा सो हे होदे मानु विनु छो होये
साल दाहि: होदे रुल कत रुन रुन न व पु वा जे
नार पति मति मय गवारि प्रे व स मु लि त आति
सो ए : ॥१॥

भीमशेखर उपास

राग वसन्त ताळ अल्पा

होदे: भीमशेखर माता वीर गद्वा

होदे: सुलासन मारिनी आनन्द

मन उरणी होई

नमो २ नमो देवी

नमो २ नमो देवी श्रीभुवन तारिनी हे ॥ वीरकतक

पद मईर वीराली नमो २ ॥ १ ॥ मुख ननर मुंद

त्री सुलद म्बर धारी हे ॥ मुपजगत जग मंगला

गा ई नमो २ ॥ २ ॥

जय सै रव र उगारा: रागभी: ताल हा तभी

जय सै रव: होदे तई लो के ई स्वर: होदे प्रभु विनीची

शा रा घन ॥ सै सारया: तव सै ग्य: धान या सै जु न घो ॥

होदे नरक सै चो न छ जा थका ई व आसा ॥ वीली ची

नारा घन ॥ होदे भाल पा जी नै हा हा जोग नरीन्द

रा ज नीर्प गुन सोहे: वीली ची नारा घन: धुं:

प नीमी उवारा: न ग न दी नी: राग आसा वरी: ताल पलीम

मुक ता री जय ना ज नै दे नी कह ना धानी: नी ज गुन

जन माया अवीक वीरा: ५

परगत जननी गवारा : रागमाल श्री गान

अमना : परगत जननी अती वीर्य जाल ये दे : वी कल
नाथ क मव नव दारनी ॥ नाच य मन्दीन अती
वी ले रव वी कल म नन्द कुम ही

गीतु वन गवारा :

राग सारङ्ग ॥ गान श्री मा ॥ होदे श्री गव न व-दी त र्हा
खर समाव सुखर प्वनी जे जे वी लुनी लुखी त तगे तन
दत शी क दी ना नवी सु नाथ स्वर हे जे ॥ होदे का
न कुल क कल कथ रङ्ग लुमी ख दार ॥ वी स्ववरी
पै व वरी ही वार दी गी वर दे व वीन्द दे व विद
पुजा नर नमनी चन्द्र से र

वानरस गवारा

होदे वानरस दी दी मोरे : होदे आव वन माथे
प्रथम उ थी : होदे हा हा कल हा हा दुख जगत हय
कै पमान मइ लो : हे इ खर हे दे इ व होदे : ना ही
हे मी हे मा क उ ने उ मा थे के जु गु ती : होदे मै अनाथ
पुमारी थो व क दे मा दे हो मा हो मा मा होदे लो क को दे
मा प्र ल न्न : होदे जयं जयं पै य दे प ना थार

जयनि त्रिनाथज्वारा : ताल सातमी

जयनित्यस्वरह होदे वदनधो मु श्रीक : हो
 सुदर : होदे गवरी वरी स सुंदर : होदे
 से वी आक रसनी ॥ होदे होदे जेयज
 नित्यरंग सहा ल व स गुन लहाति ज
 होदे स्वगुनि सुवनया नाथ सखर

सिद्धिज्वारा

राग सारंग : ताल त्रीमि : एक तारी ७० होदे तिरथ ह
 वनया धनिदिजिन गुन ज्या नर्स अतिपरकोसि
 होदे याक थिषि पर मुतीरी कस नासप धारन २ लंती १४
 होदे अनर्न पुरी याक वमन प्रानरक्षार सतयाव २ देव लो
 कर्न याक जय जये वसया चरनी मोक्षे फल भावनी —

हरीजीरिज्वारा

रागमालवा : ताल सातमी : होदे हर जीरि जययती होदे
 कुंज कुंज ल सील सील वह निल मनि जीगा हेहे :
 हेहे हे : हेहेहे : होदे रजनीज मनदेर म कुत वी मुखित
 देषि करी त अनुरुध्य ॥ १॥ ॥ सयें ज्वारा याताल :
 नउमा : पलीमा ७ लता ३ पलीमा ४ खती ४ पत्तिर
 मो ६ खजती ३ हंता ५ पलीमा ७

धौ था ग्यारा भगवानलो क नाथ

राग अथ जयतीः ग-हा होटे भगवानलो क नाथ

हई स्वर जो विमल नहिनि लोके वल प्रतिपा नदिन

हे कल ना मये गु जं नये मु काले (। जो नाथ दो नाथ)

नाथरथ जात्रा अदर से ने लो क कप

जो जनली दू हह हज ह जयेह लोह

मुखन ग्वारा

राग पहरी गः ताल भताः मुखन प्र मु मुखन ही ओः होटे

गरु दवा हन हरि अनन हो जान्यः जल दसंदरतुन

म नो म प्र हाये होटे शे गु न स गु न हे या सकल सा सारे

मन हर ग्वारा

होटे स्वर्ग भवन यदुर्म राजा वस ल प्रा हो दी ल होटे

वाये पु त्री मन हरा सु य नी ल अप सरा होटे जल क

य व ना था स था द नी ल चो ना यो न अमो ज प्रा स

न के का व मन हरा येन होटे २ सु य द ल अप सरा व

न

व सु धरा सार सार सार सार सार

दे श्री दे वीः होटे जगत जननी आदी माताः होटे हेम वरी

व सु धराः सार न द ताः होटे त्रै लोके ईश्वरी मा हा लक्ष्मी

हा होटे दे वी कु सारी ॥ सं ॥ व सु धरा ग्वारा सांग

ताल पै चमी

॥ १४८ ॥

वीरकुसः लीला

करमसै चोसे हल गु वी हल पे सा न. नीने
जो जी ज्यु घाटे सै नार वने ॥ ६७ ॥ कि जा ज्यु घाटे सै नार वने
रा ज्यु घा गु मा ला वि से ॥ मा म घा के जा ज्यु घाटे सै नार वने
नामालवने ॥ जो ॥ १ ॥ वि भु ती नै जा ज्यु घाटे सै नार वने
वस तन ती सो ॥ जो जी या गुरु प जु से जा ज्यु घाटे सै नार वने

॥ २ ॥ लो क नाथ नाम का से २ कै न्या कु से दे स ल न ॥ लोक नाथ
त्रि पा पी घा रि सु द सै ना मा व वने ॥ जो ॥ ३ ॥ न्हा क म्द म ना व
जग जो क ना थ या च ॥ ४ ॥ मी च व म च ना न पा व य व सु र वा व
वे न क वी ॥ ह नै वी दे स जि वने ॥ ४ ॥

मनीचु ॥ वीणा मनीता

होये २ मनीचु द सा व र वा द या दु म्द ए गा ॥ ६७ ॥ नी च व न ज
म या से जग या द यु क नै न यै क र ए स व न ॥ १ ॥ स नै को
ना चो न २ वी व गी त र गी त मी स ॥ २ ॥ व ॥ रा क्ष म या या
न स्व स्य क द ॥ न द या न स्य मी व न या मी स दान वी न ॥ १ ॥
म या म्द म गी ट २ र ए त मी स द क म्द म ॥ न द या न : हा ये र
॥ २ ॥ च व र नी प त्मा व ति पु व प द्मो त ॥ कु मा ॥ वी ना प री म्द म यु य
व न ॥ रा क्ष म्द म दे व ए गा २ क द ॥ न स्व या व वी जा न : थ ये र ॥ ३ ॥
दे व ए ग द ॥ म न वी स्ये ॥ मी त री नि व ओ य की पा त ह्मा या
वे मी व न गु व ॥ १ ॥ म प री प्र नी ती नै द र्ध न ए गे को ग या
ह य र ॥ ४ ॥ न्हा क म्द म ना थ ग न र द्वा या व छ न पा ० १

अनाथ... संसार... मनी... राजा... थाय

प्रभु स्वामी विरक्त मज्जा निराम कष्टी
 सा... जि... ॥१॥ गी... ज्ञानी... था
 ॥ अपमान दुख वी... था... था
 ॥ वा... अपमान... के मान प्रगुति दी था... ने
 ॥ दे... मान प्रगु प्रभु स्वामी ॥२॥ द... गी... था
 ॥ सा... प्रगु ! त... जि... वा... दे... था
 प्रभु स्वामी ॥३॥ मा... राजा चक्रवर्ति... था
 ॥ दो... था... था... था... था
 ॥ नाथ... था ॥४॥

मायादेवी अर्ति

आर्ति-भाव... न... ॥५॥ मायादेवी... था
 पति पा... ॥ ॥... था... था
 ॥६॥ ग... था... था... था
 ॥७॥ गी... था... था... था
 ॥८॥ अनाथ... था... था... था
 ॥९॥ वा... था ॥१०॥

वन ओ वनसः होये २ वाल रण जन वं नास्व
 ताव लता होर वनको वनस स्वान
 ओ चो नावेले ऊँ गपदि रवो स्पे रे
 नुग लमदो से वल २ वाल रवमच
 वने आव । १॥ लरव नास्पे वल
 वाल स चात नो स्वल वने होये होय
 जन व ना स्वल वने आव ॥ २ ॥ नुग लमदो होर
 प्र मु स्वामो प्रान नाथ वाल रवम चात अन व
 गु म रव ना लादो न अपे प्राप्ते मंदिर रानी हाने
 म ते रवा पे म ते धर्म या क था डे से वने नुग म दो
 होर सल किसि वी या वरे ल ल प्रा तथा म वाल थ
 नि गंधे हर्न जि : ४ : नुग ल म दो

कविर कुमारः राग के दारु तान जती
 दे सुंदर सुरक्षन सजु कत सिलस प्रयम नी दुख दे
 कविर कुमार विरथन कुत लोक नाथ सुंदर राज कुमार
 ॥१॥ दे गु गु थास जरम जुल राज कुमार गु गु थास फुत
 दे सप नास मरव नाथे विथन कुत लोक नाथ सुंदर
 राज कुमार ॥२॥ दे होये २ प्रान समान राज कुमार
 व ना व जीवन दसतु रिया नी द ~~म~~ थान विर
 थन कुत लोक नाथ सुंदर राज कुमार ! ३ ॥

देवि विद्या देवी ई स्वरी या आशा जु न अष
 मी द जने हे लो कह्य या वीनं ति नं लो क
 स न नाथ सुन्दर राजकुमार ॥ ४ ॥

मनो हराः ताल प्रती
 न स जुध वना चो नाराणी दे मे हे नू
 हाये हाये मनो हरानि ॥ १ ॥

राज्य मुकु क दू को मा यो तो ताल मनो हरा प्री यारे
 ल नि वने हाये हाये मनो हरानि ॥ २ ॥ हाये हाये
 सुन्दरी जगत मे हो नी रानी जन वना खल वने वल
 प्रान प्री यारे हाये हाये मनो हरानि ॥ ३ ॥ दे का प्री
 ति के दे स या प जी लो क दू को रानी धर्म सत या व
 अनं दनं चो नाराणी हाये हाये मनो हरानि ॥ ४ ॥

दाय प्र मुखो य के गात

ताल प्रतीः राज व सै तः दाय प्र मुखो य के गात नु गल मदी
 नः हा हा दे आ वने तो ल चीना परे दे स जाल प्र मुख
 दाय दीन मा यामारे या ना दी दल म दय का दी दीन
 जो ने म फु दी वि नान मे व जीत म द ॥ १ ॥ हा हा दे म ल्ये
 वने ध का नु या मे ले वने जि व प्र नु दी गु पा र के न
 का वल ॥ २ ॥ हा हा दे जो वन जा से वल जये या ना जो ने

प्रभुति जु भनं वेर धन फु त दी वी
 या क त ने दे ने प्राल वारे प्र भुति के
 दि गु आ सा भर सान दी दि नि द चो ने
 मो ने म फु त अ व से नः पो ने जु ल का
 ली त फु ग त ने त या व वि व ने ॥ ४ ॥

लो क ना थ

राज नाथ रवि जली ताः हन लो क ना थ वि व जित ज्ञान
 वर दान ॥ १ ॥ हो से चो न प ले स्वा न ह ल मि र वा वा न
 सु र्ज ति धि क २ लुं या चो त न ति या व लो क ॥ १ ॥
 ग धि न सु द र र वा ल अ रु ना थ उ न त त ह्या वा ड २
 स्वा न सि ल स त या व लो क ॥ २ ॥ ज व र व ल हा हा ति स
 प ले स्वा न जो से अ मी ता न त था ग त सि ल स त या व
 लो क ॥ ३ ॥ ग ल स ती से त या र न या गु मा लः न ह स स
 कुं द ल २ लुं या ति सान ति या व लो क ॥ ४ ॥ द्यो पा ली नि
 पा या को स वी व जी त वा सः एक म न ति व २ थ म
 म चा भाल पा व लो क ॥ ५ ॥ पु न्य ल क्ष्मी या स्वा मि श्री
 ज य पर का स ल हा क ल अ ज्ञा नि २ नि न ल हा य म स या व
 लो क ना थ ॥ ६ ॥

॥ २३ ॥

यकतारी

अती सुंदर जवा रा या रा न नौ मां लीना

खनी १४ जर २ लीता १४ परना ३

होदे अती नई दर दे स कां मि पुर नाम हाय खव
होदे वने ले स वाग मती पुखे वी स्नु म ती धरमया
आलः होदे नेपाल आधी पती गन जु प सु पती पुने
उमर पती रसन सति उति ~~सज्ज~~ हा होदे रस
सति उति भजन पार्वती या क पर श्री धि क त क
अजु गुधिः होदे थो हे दे स यो दे स या स व होदे दान
याना वचो न धि श्री मुन पा सा तिरी या पुरु ख द ह
धरमया आ सा श्री भुवन ल श्री मी दे वी न ह क
भास्कर मह म हाराज

जय गुरु गनपति राज वसंत ताल यो मा वाग ४
जति मा ४ खति ४ परना ४

होदे गुरु गनपति ईश्वरी स्वरन थ या भावनः होदे
हनुमान कुहु मा री तु वा प द मा काना होदे भद्र रव
मारा वारा ही वे ताल हा होदे जये जयेः गुरु वीश्वकर्

11 28 11

कुरवा को राम-पुल्ल-अन्जान-गहोइ राजा को स.

लम. ~~वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.~~

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

वो रवं थये. ते दी स, मीम जी मी.

पुष्पाव] नारद दयाना दीया हो की पी नारायण गुरु

2105

१३. १ दहि अयादल ३/४ मी कुते १

नाथनाथ मठ

॥ १ ॥ श्री ५२९७ स्वे पले ला मग जु
 ॥ २ ॥ श्री ५२९७ स्वे पले ला मग जु

हृदय या गंगा न. पो सां दु या दया स अ

राधा १ गान्ति जिठ्ठा मज्जी डिनल हक २९ वै १ दी ल
हम डन वै भौ चोने म२९ न

५५३८ वें नं. बोलने म२९ नं.

८८. [मुमुक्षुक्षीका] जीवया ॥ १२ ॥ सनमान यागुद्धिमदु

राम. ७ हौं आमीनि प्यों गुहे. लागव रूपी जायाम रमा रजु

८

७ जि. अनाथ गतिवया उमरे छलवल गुयादर
 सर कीया दीईसा. गीईसा

सह बीया दीर्घसा. जीर्ण

छा. की पुनीतु कगे वा ने चा

एतः ७ अग्रः जुडला. जी. कौ. सा. ४॥ वज्र चै. क. व. का.

कदं ७ अवना. दुःखीया. आला. नीयया. मजुईमा.

ਮਾਏ ਗੁਰੂ ਮਰਗ

महाराष्ट्र राज्य सरकार
महाराष्ट्र राज्य सरकार

७ दि. १०. मनीमममम. मगलम के गुण के ना. दि. १०.

213

॥२॥
कन्द नती डर गुया वागु जति

मन्त्रः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मगाम. उदगुल्लका. बालयागवाम

सीरु श्री. श्री. हेमन्त श्री. स्वप्ना. स्व.

$\pi : \sqrt{-1} - m$

६४ बुद्धि. आह- न गंगा नदी

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

13. 11. 1951

३५. १०८६। गोपल नाथ को नाथ बना

२७०११८

श्रीवागु रामलिन. गनवन ह्य लीन

1671 की थी। यह ज्ञात है। १७७३ में स्वामी देवी

जगदीश्वर २ विपत्तये नमः . श्रीगणेशाय नमः

॥ श्री गुरुः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५१ वने मलय हीं व्या. ३१, ३२, ३३

29 ११ ३१ १-२ १-६

लि. क. शी. १११. १११५.

2

22/10/2018

113011

२५

641.5

८५५५

17

29. 11.

五

—
24 20

卷之四

511

27131

941

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

१५५७] रामराम के सिवा — या तु छ क न के आदि न. न. न.
 १५५८] माता के आदि न. न. न.

अथ गान्धर्वः विवेक - भाग्य
वा. ग. भा. भा. दी. भा. भा.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

4154.7 35

१५०७ / दुष्काः मरुत मोति रत्ना. मूर्त्ता. चन्द्र सति नम
गुणे गुणः वां २१ खला ने ना. रत्ना. मर्दुगा. गुहेय
मा दोठ ला जीठ मा.

* यो व गण. कुल शान. कुबुद्धीया. बाण. यो हे मल्लना:
॥३२॥

जल. ग. जिगु मती नक नों. यो मवा. युवा ग. लो
अध्याय. यथा गु रव. जसा. गुति
ने बाण चकन उदयादि. हुसा. गु

अध्याय. लज्ज

ज. ग. * वन्द. ... यो मी काति. लहव थाग

ज. ग. : जी. जिगु मजार्न अमीया जवा
* हे. जिगु कुल दाग पावन. यो मवाया
लरी साया वक्र वा हीलावा रा * अने मी नी
यो मी काति यात. न वाये मोम मत्य. मर प्रन
अन व जग ७ २ वं मद्य उदयाग

वगी चापा सीन
जिगु दो दये चागु जमन युवा यो मद्य
वन्द मती वनेया जग म. ल. ल. लो था या वे
वन्द मती गु वरवत रामान वंगु

नीरहीनी

विचित्र गुण धनः खो न जिगु मनः
थाये मत्ये जिनः अन रव गुणः
जाले प्रने जीवन्. थि मज रनः
कोर गुण हे गुः जाल जिम वे ल. जिगु.
लप ना लज्ज ली मी. विमना जे प्र मी ली.
अर्थ मडु यु मीया. विचित्र गुण मनधः

॥ ३३ ॥

लो सुमः ॥ ५५ ॥ लोमः सु पा धा ५५ जि मी प्र म धा
रु ज्ये ना हा य री म न ने ने त्प ग
X ॥ जि ने ग व मी ने द् ॥ पा न
हु या गु हु म म सु न
उ पा ना म ना म जि या व गी व
न ना वो नु ना ^{म वा व न} अ हो यो पु-द ह मी
या रु अ म मी न को या जी या द व
व मे मी या म सु ना : अं डा व म्ये र्मः ::
[०६ ॥ नं धा री स्व प्राः] अ हो प ड ने पा म पु र्द पु न क
प्रे मी मा न हे दे वे जु ना व ना न पा पी दु ना मो न
ख नि व ना द ने मा ना वो न ने जि द गी मा न मा न प र क
जु ना न न प्र म पा उ ने प्रे की दु अ व ल प जि गु द व
पा ना वो न ने [न वा व ना] यो पु-द ह को या न या
सु र्थे मी डा हो मी मी म म म हा ना वो म्द न
ए पु मी म सु ना अ व ल प र्मः : अं जि ने व हे व
गे ना न ना व मे मी या नो गु ना व म्य या न प्रा प
वी या नो न
[म्यं हा ना न ना न म ना न या ना पु न या अ न क म ना
पा ना नो ग व ल ने नो क न-द लो का वे क या न
व न]

हैं हैं मुनि ग-आगुमवका पो मुन जिग
या मुग-दवाजना नमरी ह पो मुने का
क मीआमा पुमनी वरावट यान

मेने

[वन्दे] वन्दे मुन. यो काजिय
मुयाय वडा वजित कीड २ वै
होया ०० वै निराया. मे मु-मु ८०
वका ०० व छग वी या. छगे या गु का
को का. ये ली ०० २ वयाम पुन्द ना
मुके मुगुनी का वो. मां ०० द्या का वो ००
को लीया वडा पन होक का वा वै का गजि मुनी
व-याम ००-०० नाव आये चोरे दु मा
होयें दोहों वने मयुन नर. या ०० लाहु या
मुनि ^{हमा ने न फु ला} वा वी ला गुनत ई ०० चो ग. छन का को
वका वी व ०० गुनत [वन्दे ०० वपोहा मनी]
मेने हो वी वी वी वी वी वी वी
हो वी वी वी वी वी वी वी वी
हो वी वी वी वी वी वी वी वी
हो वी वी वी वी वी वी वी वी

[कंदे] अकेला मरु जागि लाव - द्यो. तमकी चंग
जुला. दो भाखें द्या. माँ. वो. जान - वें दो म
वन्ना पा चो ना आ-ये उपह ना के नई धु या
[सम.] कंदे. चौखें माँ. नी वो नी माने गुई मरु नी गुणान
नी [हुई मरु]

॥ ३५ ॥

५३५. मरु २. मातु ना ज्या ना जि लाव
 के न पुं कला. अ नहु अप दाया था

१८५१ ई. ११/१२ १८५१ ई. ११/१२

ग। सुदृष्टि, नीला कां. अज दन।

॥ ३७ ॥

॥ मातादेवी भगति ॥

राजम क नी ॥ तालबसति ॥ मातादेवी भवा नी का मुनी
का ही नि वि ज्या क न्य पा ल स्व था वरे ॥१॥ मा मा न तो क पु से
वा न र व स न नु स्यः य न न व र्ति ग था से रे ॥ ज्या न ध्या न
न स्व था व व ना वः वो ना व ह ल हे हे का व रे ॥ माता ॥२॥
पु रु व दी ग सः सु चो मु मी था था सः लु म धि पि थ था थ
का व रे ॥ वे ता ल स स चो से न र क पा न जो सेः

वि ज्या क मु व न स्व था व रे ॥३॥ मा ल पु द्द द य स
न र था ज्या न स सि से वि ज्या क द्द ल पो ले रे ॥

अ ति हर व ता सेः भ ग ति ज न स्व स्थ वि ज्या क
से व क था था से रे ॥ माता ॥४॥ ने पा ल आ धि
प्र ती प्र का स मु प्र तिः ह्वा क ज थ प्र का से रे ॥
भ ग ती नी व र स व स था च र न सः वि ली भः म ते
से व क ने रे ॥ माता ॥५॥

॥ ३८ ॥

卷之四

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

1871

118211

118/8/11

112411

113/811

550.0 10.5
225 550 118211

5
6
2

11 40 11

12

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1855

with a SUBSC 11 1/2

500

1875

... 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 10

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side.]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

शम्य श्वर ज्वारायाकुमाः तालः लना

रखीस जाचा तिरे खचा खदेचा तिरे + ये: रखची + ये: दो चीं दो
 चीं दो खचा: ये + ये दो: चाये: चाये: तिरे खचा: ये चा तिरे: चाये
 दो चा चीं दो: रखीस जा दो ये ॥ ज्वारा पर ॥ ताल जीर्ण ॥ लना ६: यरा

ज्वारा पर

रधीं: रधीं: रधीं: रखचीं ~~रधीं~~ रखचीं रख: २ + ये: रख
 चीं दो चीं दो दो: चीं दो चीं रख: चीं दो चीं रख + ये: चाति
 रधीं: तिरे चा तीं चीं = रतीं रख ये चा रख चा: दो चा रख चा:
 ये दो चा: दो ये चा रख चा: ये चा रख चा ये दो चा: + ये दो चा तिरे
 रख तीं रये चीं दो चीं: + ये: चा तिरे तिरे: रतीं रख चा ये दो चा तिरे:
 + चा चा ये दो चा तिरे: + चीं चा: दो चा ये दो चा तिरे + ये:
 चा चा: ये दो चा तिरे = + चा चा: तिरे चीं ये: तिरे चा ये:
 तिरे + ये दो: चा रख ये दो चीं दो तिरे चा: ल व पर ॥
 चा + ये चा + ये चा रख ये दो चा तिरे रख चा ये + ये दो चा ये दो चा
 ये दो चा: २ तिरे रख = + चा + ये चा + ये चा + ये चा चा
 तिरे रख चा ये + ये चा ये चा ये चा तिरे र: ३: चा + ये चा +
 ये चीं चा: तिरे रख चा ये + ये दो चा ये चा: ये चा ये दो चा =
 चा चा + ये + ये दो रख चा ये: २ + ये दो रख चा चीं दो रख ये रख चा ये दो

ल व फे नेजु

Handwritten text in Devanagari script, possibly a signature or title, located at the top right of the page.

रखेय चां देयोः तिद्ये चां देयोः तिद्ये चां देयोः रम
 देयोः रम दे रम चां दे सचाः दे x देयोः चायेः चाये
 चाः स x सचाः दे x देचा तीये चां तिद्ये चा तीये चां
 रतीः सः देचा सचाः देचा सचाः देये चाः देये
 देचा सचाः देये चाः x देयेचा x देचा तीये सती
 चा x देचा तिद्ये ॥ रती सचाये दे तिद्ये x दे
 देये चां ति x देचाचाः देचाये देचा तीये चाचा
 देये चां ति = x चाचा तीये चाये तीये चाये ति x सये
 देचा सये देये तीये रम दे सचा देये - - - - -

॥ ५६ ॥ श्रीशारदास्वामीदेवाः श्रीगुरुदेवाः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२ अति ~~वि~~ वीदी सचा घं घं वाः घाति ~~वदी~~ सचा

लक्ष्मण गच्छा र जित ४ ३

चार्दीया. स. धर्मा सचावार्धेदीया. x. x. x. x.

पानि रूपादि वा. ४ धेवा नि नि रः एति

१-वाचा. वाचिं x धे वाचादि वाचिं दि वाचिं x धे

येदिना. येनादिघेचा ॥ नाचा: ना. घ. दि

वदिद्ये-वा. अ. x ये-वाद्ये ये-वातिदि-वा. x ये-दीष

जदि x चे ति दिवा: घ. x घे वा: तिं दीचा ४ यदि वादी घां x

ये दी-यादी खचा ये x ये दी-याये-याये तिरषचा ख. x ये चा

निंदेष्वां निंदो वा निष्वां ॥ एति षट् वा षट् वा षट् ति र

अवा घं घं मोक्ष निरुद्धं वाः x धीवाचा येतिरुद्धं

का तिष्ठ-^xघोवा घेचो घ-वा घेति दोचा वदीचा. दी.दा

मास दोचा तिह वचा ध ध का ध तिह x ध चा x ध चा ध

गिट x घे वा गिट x घे चा गिट x घे वा घे वा घे वा.: घे वादी

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

०१९५८

मा० र्धे वा र्धे वावाः ति० प्रवाः वे० र्धे वा र्धे वाति० ति०

[illegible]

वा दो व वा ख दो वा, x धे वा व. तिह वा दो व वा ख दो वा
 व वा. ख दो वा व. धे x धे वा. x धे वा व. धे धे. ति
 व धे वा दो व वा ख दो वा. x वा व. वा दो व वा ख दो वा
 वा व दो वा व. x धे वा. x धे वा. x धे वा. धे धे दो
 वा दो धे वा ॥ धे दो वा ख धे वां. रव दो व वा व
 रवे दो वा धे दो वा. धे वा दो धे वा ॥ अवधे
 ति दो वा वा दि ४ रवे वा वा ति. तिह x वा धे वा
 x धे वां. वां वां. x धे दो वा. धे वा ति तिह. रति व वा धे वा
 वा तिह. x धे वा वा धे दो वा ति. x धे वा वा. दि वा धे दि
 वा तिह x धे वा वा. धे दि वा. धे वा दि धे वा

क वी ला स ज्वा रा

ताल अस्त्रः ६. जती ११. लं ना ट प ली ५ — — —
 ना ती व दो वा दो वा ती र व वा धे र व ति धे दो वा धे दो वा धे दो
 वा ती दो वा ती धी. रती व वा धे ती र व वा. व ती दो वा
 धे दो. र व ती धे दो वा. दो वा दो ती र व वा. व ती दो वा धे
 धे दो वा. x धे वा. ती दो दो वा व ती वा ती. ती र व वा धे
 धे र व ती धे दो वा धे दो वा धे वा. ति दो वा ती धी ॥ जती
 रती व धे वा व वा धे वा व वा धे दो वा. दो धे वा व वा
 धे वा व वा धे दो वा. र व ती धे दो वा. र व ती धे वा ती दो.

५५२

॥६२॥
लव फे ने गु

१५३३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥
लोह ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥
५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥
५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥

॥ ६३ ॥
दसमन्त ज्वारा घा - मा

रुद्रा ना वदे ना तीर * धे र

ना वदे ना वदे ना वदे ती

॥ ज्वारा पर ॥

वदे धे चाः व

ना तीर ना वदे वः ना

ना वदे ना तीर ना ३

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

ना वदे ना तीर ना वदे

चा धे दो चा ठ चा : धे दो चा

धे चा + धे चा + धे चा

चा धे दो चा ठ चा

चा धे दो चा ठ चा

— धर्म नव फल —

ने गु

चा धे दो चा धे चा : धे दो + धे रष दो

चा धे चा धे + चा धे : चा धे : चा धे : तीर ष चा धे

+ धे चा : तीर दो धी : तीर तीर + धे धी दो धी दो धी

तीर रष धी : + धे : रष धी : + धे दो चा दो ष चा धे +

धे दो : चा धे : चा धे : तीर ष चा धे + धे चा : ता दो धी

ती दो चा ती धी : रती ष दो चा धे दो चा धे : तीर ष चा

धे धे चा धे : तीर + धे चा + धे चा चा : दो दो चा धे

दो चा धे : तीर ष चा धे धे चा धे तीर + धे चा

+ धे दो चा तीर चा धे : तीर ष चा धे दो चा

तीर + धे रष धी : धे दो चा दो ष चा धे + धे दो चा धे

चा धे + धे चा तीर चा धे दो चा धे चा दो दो चा

कु लक्ष्मी

॥६६॥

कथायुगः पलेमा ह वाग ३ लीता परता

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

लक्ष्मी

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

चादि वदी चादी चाि वष २ री वषे

डी

॥ ६२ ॥

चः धे सीः धे सीः धे सीः धे सीः धे
धे र धे र धे र धे र धे र धे र धे र धे र धे र

मम

॥६६॥ मैं मरु रा चन्द्र होमपे
नम नम दिकन लगिने

आहु

मि

ने

पिगुनी-वाँ हे गये-वाँ

गई जोरया मुर्छायेँ

मानि सा लाई... निग के हल

जो छगु विमि पा नयेँ गु

उदु. वो दोमं

अनार्थ मीरक. मीर ग

नती नती गुल्ट मडक नं. ५

गी सा वलने बना गुटि है दोमं-

अन मडु जा मुहु पति मे ही कण्ठे लुग कै है दोमं

अनरी कुन-चों गु पाँ लों लों, केवावा-वा अ

पो पुने मा जा न्ह्या थाँहा माना गु माँ है दो

नं. यो मरु की ना यानो द का कै दी ल

हरन गी गुटि बना के

मम ६६

मम ६६

मम ६६
मम ६६
मम ६६
मम ६६

जा. मानि... दौ के दोम ल छो की पीनी अमाँ

यात राय नों के होई मुहु दु २९. वहाँ जो या दो म गुं

पु वव नों छो म गुं कुमा या गु धं वा ही चें छो ना चें

गुदु. आँलाग वा चन्द्र मती याग हो लरी कै व चें

नो ओई दी लें या दा गरी गुं गुं लें. वनं वनं

नं नडुवा - -

उ मे दी लें

७३

॥ हूँ ॥

॥ जिम्मे छु डेप का थोता
विओंगु ब्रास न नों तिनी

मत्त दु गु ब्रास या सीनी

छ ह्म ई स्पर् छे ई हुवा

५३.

माता.

प्रीत्याता.

॥ ॐ गुमा पुमा नजारे सता था ता सी ना ह्मा मा पु
नने काँ नयगु लाय ह्मा जारे था नने

५३. ॥ हनय माता. [कीरछेनी] नन्द मंती विविधा को

डिवा मा गुवा जग न जि म न

सह मा म म म म मि गा गु वै ले

दु गु म २१ न प्र गु छु छु थ ना

द या की पा नी थ न ह्म ह्म मा न

दी न द ह्म म म म म म म

ह्म म म म म म म म म म म म म म म म म

22

॥ ३३ ॥

नमो भो. गरीब आर्द्ध परे बुलि

२६ थंगुआमा हवपयेख

मा. जि. चो. गु. न्या. व.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अ. २१ भा. ६ द. २५ द. २५

ला. ही ग यरखाँ

जं० श्री गुरु बाबा. भा. २

मन्त्रागोचरानां पासां हस्तानां व्यापारं साधयेत्
 दशवर्षं पुनः कर्माणि पुनः कुर्यात्

२५ द्वा. पु. क. म. न. ल. त्र. श्रे. मु. र.

शुद्धि।

मोक्षो बोना यगुन लेय का. पी. तथा स्वर्ग का.

रह्या न था कविता जो था : जो गुह्य रहत न था।

~~रत्न प्रगु कौल~~

ॐ

दा दुभा दा लु दु चोई मिम दी

आमुलुरवें गुण दी

वा पी आम

मधौं हा गु हौं क मि

मि केत नमो धर्म या

हो नो ता गु मा

...

...

...

...

...

...

...

...

...

...

...

...

...

...

१७

॥ ७१ ॥

हृषीकेशगुप्ता

गोपाल साउ था थेंगु आफी सेवना

मोहिगुः] न

मोहिगुः] पुमनालः किं नो

मोहिगुः] कृष्णः अ

मोहिगुः] पुमनालः गो. पुगु

मोहिगुः] पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

पुमनालः पुगु

रा

यो माहाजगत्पागु स्थाहाभे

को को या त

हु या को लो को

मि एगु लो को ई छगु ह वा

मो वा

अ २ पु ना की २गु रे चो म म ची. वा ना क
न पी ई छगु चो म म नी म जि न. २ चो म चा या त न
हु पु २गु या कु ने ड वी. हु म कु ल लाना म या ल्ये म जि
हु म कु ल लाना ई चो रे २ म र ल या त क रे हु म कु ल लाने
ये का लाना यी य को

हु म कु ल लाना

हु ल म
२ म र ल ई म कु ल लाने त की ला व जो ना हा ना हु

की २ हु म कु ल लाना २ म र ल लाने व र ल लाने.
को म लाना २ म र ल लाने २ म र ल लाने का ह भा ल
न म र ल लाना २ म र ल लाना २ म र ल लाना २ म र ल लाना
हु म कु ल लाना २ म र ल लाना २ म र ल लाना २ म र ल लाना